विदर्भ (महाराष्ट्र)

विदर्भ(महाराष्ट्र) में 124 किसान आत्महत्या कर चुके है |124वां किसान श्री रमेश जिसने 5 दिन पहले ये शरीर त्यागा वह एक लाख रुपये का कर्जदार था | उसके पीछे चार बेटियां उनकी रोती तड़फती मा जिसके घर में एक वक्त का खाना भी नहीं था|हम सभी दुखी हैं| हे ईश्वर अब आगे ऐसा ना हो |

भगवान् उनकी आत्मा को शांति दें |

जल मन्थन

इंडियन नेटवर्क ऑन पार्टिसिपेटरी इर्रीगेशन मनेजमेंट
(इंडियनपिम)

सहभागी सिंचाई प्रबंधन के
क्रियान्वयन में आ रही

'चुनोतियों एवं मुद्दों '

के प्रस्तुतिकरण में
सभी अतिथियों का
स्वागत करता है

22-02-2016

ऋगवेद में जल

mnhj;Fkk e#r% leqnzrks ;w;a o`fVokZ;Fkk iqjhf.k% A

u oks nL=k mi nL;fUr /kusr% 'kqHka ;krkeuq jFkk vozRlr AA _- os+++- 55-5 AA

अर्थात

- बादल तेज हवाओं द्वारा समुद्र से उठाये जल को आवेशित कर पृथ्वी पर सभी के मंगल के लिए बरसाता है

सहभागी सिंचाई प्रबंधन के उद्देश्य

- जल वितरण में समानता
- जल उपयोग की दक्षता में वृद्धि
- वर्षा सतही एवं भूजल का सहयुक्त उपयोग
- सिंचाई एवं फसल सघनता में वृद्धि
- जल शुल्क वसूली एवं आतंरिक संसाधन जुटाने हेतु सामुदायिक दायित्व का विकास
- उपयोग कर्ताओं में जल एवं सिंचाई प्रणाली के प्रति अपनेपन की भावना का विकास

संसाधन

- जनसँख्या – विश्व की आबादी का लगभग 16 प्रतिशत
- जल - विश्व के कुल जल संसाधन का 4 प्रतिशत
- भूमि विश्व के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 2.45 प्रतिशत

जल कितना है

1. पृथ्वी की 70 प्रतिशत सतह पानी से ढकी हैं .
2. इस पानी का 97.5% खारा है तथा साफ़ पानी मात्र 2.5 % है
3. इस 2.5 % का 69% हिमनद के रूप में है
4. इस 2.5 % का 30% पानी भूजल के रूप जमीन की सतह के नीचे है
5. इस 2.5 % का 0.7% जमीन मैं नमी के रूप नमी के रूप में है और 0.3 %नदी, झील तथा तालाबों में है

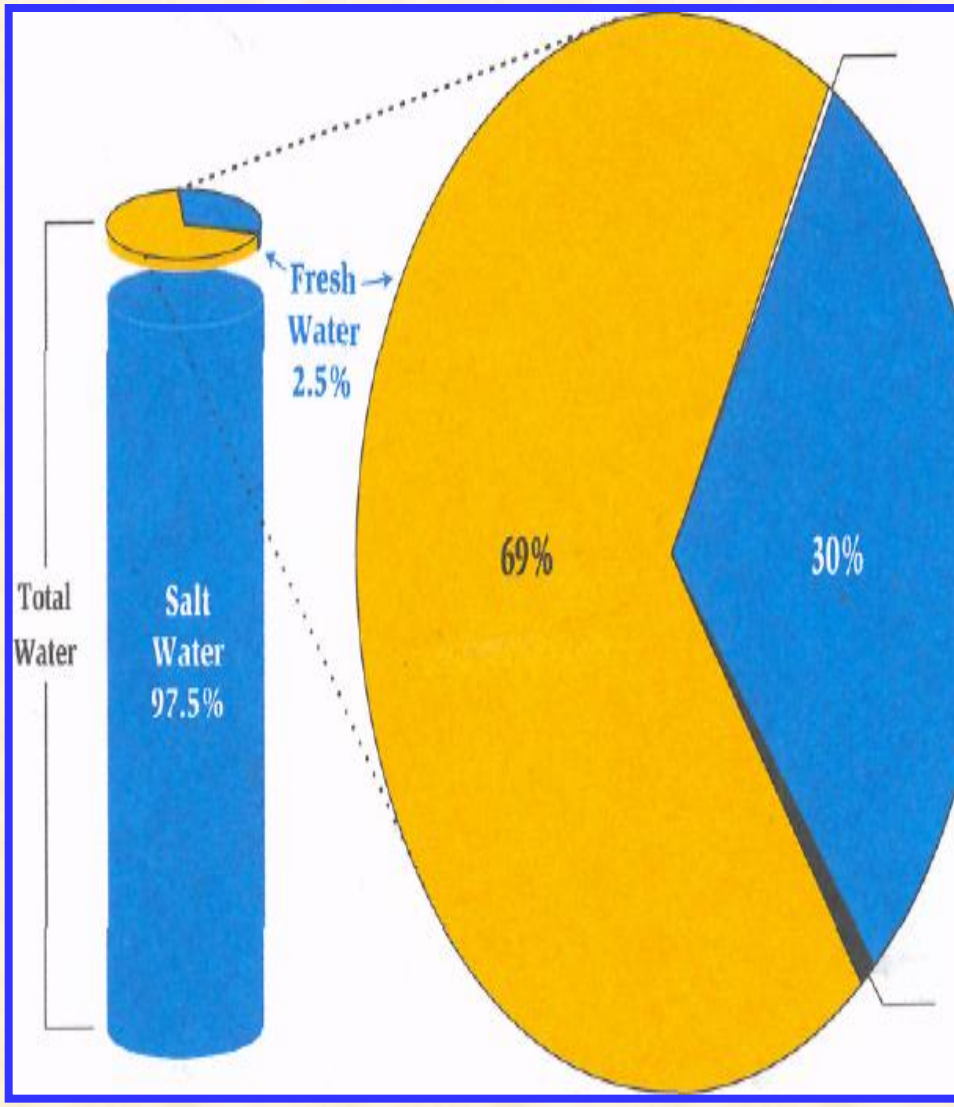

कृषि उत्पादकता की चुनोती:प्रत्येक बूँद से अधिक उत्पादकता

पर्यावरणीय एवम स्थितिकीय संतुलन

सामाजिक एवम आर्थिक इक्विटी

खाद्यान्न उत्पादकता (टन/हेक्टर)

वर्तमान	2.00
क्षमता	6.00

जल मांग की प्रतिस्पर्धा

जलवायु परिवर्तन का अनुकूलन

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

1. सिंचाई प्रणाली की मरम्मत

2. कुलाबा कमांड में अपर्याप्त गूल (फील्ड चैनल) प्रणाली

3. प्रणाली के अन्तिम छोर व् छोटे किसानो की कठिनाईयां

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

4 मरम्मत एवं रख रखाव पर अधिक व्यय

5. राज्य से अपर्याप्त आर्थिक सहायता

6 जल उपभोक्ता समितियों की राज्य सरकारों के अनुदान एवं मरम्मत धनराशी पर निर्भरता

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

7. एक मुश्त फंक्शनल ग्रांट व फील्ड चेनल के निर्माण तथा कार्यालय ईमारत में कैड व गैर कैड का अंतर .

8. सिंचाई संस्थाओं द्वारा तीनो फसल सत्रों में एक सुनिश्चित सिंचाई जल की मात्रा की निश्चित आपूर्ति चाहे परियोजना जलाशय पूरित है अथवा डाईवर्सन आधारित.

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

9. सिंचाई सारिनिकरण, नहर का रोस्टेरिंग,एवं वारबंदी अपनाकर प्रत्येक खेत तक उसके हिस्से का जल वितरण सुनिश्चित किया जाना.

10. अनाधिकृत सिंचाई पर रोक.

11. जहाँ संभव हो सतही एवं भूजल के उपयोग को प्रोत्साहित करना.

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

12. जल दरों का निर्धारण एवम वसूली , अन्य जल के उपयोग, का प्रभार, सदस्यत शुल्क , जुमाना दान व विशेष शुल्क जिसका निर्धारण ज०उ०स० कर सकते हों, को तय करना व उसकी वसूली करने का अधिकार मिले .

वसूली गई जल दरों की धनराशी में ज०उ०स अपने भाग को सरकार के माध्यम से वापसी में लगने वाली देरी के चलते ज०उ०स० अपने पास रख कर बाकी सरकार को वापस कर दे .

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

13. जलवायु , भू वर्गीकरण व जल उपलब्धता के आधार पर ज०उ०स० की सुविधानुसार फसल पद्धति का निर्धारण एवम कृषि व सिंचाई पद्धतियों का पूरा पेकेज मिले |

14 मृदा व जल गुणवत्ता परीक्षण, भूजल स्तर का अनुश्रवन, एवं जहाँ आवश्यक हो वहां उसर भूमि का सुधार.

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

15. तकनीकी जानकारी की कमी .

16 भूजल का अत्यधिक दोहन.

17. गुजरात व महाराष्ट्र के अलावा ज०उ०स० पदाधिकारियों को प्रोत्साहन/ मानदेय की व्यवस्था का अभाव.

18 ज०उ०स० का सशक्तिकरण, जल वितरण नियमो में ज०उ०स० के विधिक अधिकारों व जल दर निर्धारण में स्वतंत्रता का अभाव..

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

19. ज०उ०स० के पदाधिकारियों की दूसरे राजकीय विभागों में मान्यता व विभाग द्वारा पहचान पत्र जारी करना

20 ज०उ०स०, कृषकों, अभियंताओं कृषि व उद्धयान वैज्ञानिकों में तालमेल का अभाव.

21 अच्छा कार्य करने वाली ज०उ०स० को प्रोत्साहन का अभाव. इ-गवर्नेंस सुदक्ष एवं आर्थिक रूप से सक्षम संस्थाओ को पारितोषिक की व्यवस्था.

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

22. किसानो (जो 60% हैं) को फसलों से केवल 15% मुनाफा बाकी 40% लोगों को 85% मुनाफा

23. गैर सरकारी संगठनों व सिविल सोसाइटी का जल संसाधन विभागों की पिम लागू करने हेतु सहायता में भागीदारी का अभाव.

24. पिम के कार्यान्वयन को प्रोत्साहन देने के आधार पर जल संसाधन,कृषि, सी ऐ डी विभागीय कर्मियों के मूल्यांकन व्यवस्था का अभाव .

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

25. ज०उ०स० को कृषि सम्बंधित उपक्रमों के माध्यम से क्षेत्रीय विकास हेतु त्रिपक्षीय (जल संसाधन विभाग,ज०उ०स० तथा निजी कम्पनियाँ)अनुबंध करने में सहायक हों

26. क्षमता वर्धन
- पिम के सम्बन्ध में कृषकों के मध्य संचेतना.
- पिम के सम्बन्ध में विधिक ज्ञान वृद्धि .
- पिम सुद्रधिकरण के लिए संस्थात्मक सुधार.

27. ज० उ० स० को प्रासंगिक विषयों, विशेष रूप से पिम के क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण .दिए जाने की व्यवस्था

मुद्दे एवं चुनोतियाँ

28. हमारे देश में कृषि एक संयुक्त पारिवारिक कार्य होने के कारण स्त्री व पुरुष की भूमिकाएँ एक दूसरे की पूरक हैं तथा पिम मे महिलाऐं एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी इसलिए महिलाओं को भी समुचित प्रशिक्षण दिए जाने की आवश्यकता है. (नोगांव ,ओडिशा)

29. जल उपभोक्ता समितियों को जल क्रांति अभियान में समाहित करना तथा प्रधान मंत्री जी की के एस वाई अंतर्गत हर खेत को पानी देने को सफल बनाना

सबसे बड़ी चुनोती

आज की स्थिती पर यदि जल मंथन करना करना है तो ज़रा सोचिये;

किसान कुल पानी का 83% उपयोग करता है तो पूरे देश का पेट भरता है| विदेशों में भी भेजा जाता है | इसके बाद भी अपनी जमीन गुणवत्ता को बनाए रखता है |

जो 17% पानी का उपयोग करता है वो उपयोग करने के बाद जो गंदगी पैदा होती है उसका क्या होता है करता है | माँ गंगा मैली है, बहन यमुना गंदी या पुत्री हर्नंदी दूषित है तो उसका उत्तरदायी कोन?

उत्तर हम सब जानते हैं परन्तु मुझे दुःख इस बात से है

मैला करे कोई सफाई करे सरकार | ये कैसी विषम स्थिति है

Issues & challenges

औरंगाबाद में 8-9 जनवरी को हुए सम्मलेन की समूह चर्चा में सुझाव आया कि ज.उ.से. के मुद्दे उठाने के लिए विधान सभा में हमारा प्रतिनिधि होना चाहिए |

मेरा मत है कि इससे अच्छा तो यह होगा कि प्रत्येक राज्य से जल उपभोक्ता समितियां एक एक प्रतिनिधि चुने| ये प्रतिनिधि सात सदस्यों की अखिल भारतीय गॅवर्निंग बॉडी चुने | ये सात अपना एक अध्यक्ष, एक सचिव एक कोषाध्यक्ष चुने | यह अखिल भारतीय समिति देश में होने वाली सभी समस्याओं का निदान कर सकने में सक्षम होगी|

Thanks for patience

YD Sharma

यहाँ इंडियन पिम लोगो

Indian Network on Participatory Irrigation Management

Ydsharma

Secretary(IndiaNPIM)

indianpim@gmail.com

9818688744